प्रेस नोट

मलेरिया उन्मूलन के उपाय हेतु आयोजित हुई बैठक

दीव, दिनांक 9-7-2019 : आज समाहर्तालय सभागार, दीव में अपराह्न 4:00 बजे माननीय समाहर्ता श्री हेमन्त कुमार की अध्यक्षता में दीव में मलेरिया उन्मूलन विषय पर एक बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में दीव नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष श्री हितेष जी. सोलंकी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शशीकान्तभाई मावजी सोलंकी के साथ उपयाध्यक्षा श्रीमती अश्विनी भरत एवं अन्य चुने हुए जन प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे । सभी कार्यालयाध्यक्षों की उपस्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, घोघला के कार्यालयाध्यक्ष डॉ. के. वाई. सुलतान ने दीव से मलेरिया उन्मूलन विषय पर किये जाने वाले उपायों को विस्तार से बताया । उन्होंने बताया कि भारत के सारे राज्यों व संघ प्रदेशों में मलेरिया के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए जरूरी उपाय बनाये गये है । साथ ही उन्होंने बताया कि भारत में राष्ट्रीय मलेरिया नीति बनाये जाने के कारण दीव में मलेरिया से होने वाली मृत्य दर में बहुत कमी आई है । मलेरिया के लिए वैश्विक तकनीकी रणनीति के अनुसार मलेरिया के विरूद्ध रणनीति अपनाकर इसे शून्य दर में पहुँचाने को कहा गया है । इससे सभी राज्यों एवं संघ प्रदेशों में मलेरिया से होने वाली मृत्यु में कमी हो रही है । वर्ष 2030 तक सारे भारत से मलेरिया को उन्मूलन कर लिया जाएगा । इससे अच्छे स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण जीवनशैली को अपनाया जा सकेगा । दीव में वर्ष, 2018 में मलेरिया का केवल तीन मामला पहचानित किया गया था । पहचानित मामले पर सख्त कदम उठाया जाता है एवं हर वर्ष करीब नौ हजार खुन का नमूना संग्रह किया जाता है तथा उनका परीक्षण किया जाता है ।

डॉ. सुलतान ने बताया कि मलेरिया मामले को पहचानने के लिए सभी स्तर पर कोशिश की जाती है एवं पहचानित मामले पर तुरन्त सेवाकीय कार्य किया जाता है । उन्होंने बताया कि एहतियात इलाज से बेहतर है । इसलिए हम सभी को मच्छर पनपने से रोकना है । पॉच दिन से अधिक समय तक पानी जमा नहीं होने देना चाहिए । अगर अधिक दिन तक पानी के वर्तन में ढक्कन नहीं लगाया जाता है, तो लार्वा पनपते हैं, जो बाद में मच्छर का रूप ले लेते हैं । टायर या पुराने असबाव के अन्दर भी मच्छर पनपते हैं । पानी के जमाव को रोकना है । संघ प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग इसके प्रति सजग रहता है एवं अन्य विभागों जैसे- लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, ग्राम पंचायत आदि को इस कार्य में सहयोग देने की आवश्यकता है । गॉव के इलाके के लोगों को तथा छात्रों को जागरूक बनाना चाहिए । स्वास्थ्य विभाग के स्वयंसेवक नियमित आधार पर सर्वेक्षण करते हैं ।

माननीय समाहर्ता महोदय ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में मलेरिया इन्स्पेक्टर पद को भरने के लिए अपेक्षित कार्रवाई की जाए एवं लोगों व छात्रों को जागरुक किया जाए, ताकि समग्र दीव से मलेरिया नेस्तनाबूद हो सके ।

~~~~~~~~~~
~~~~~~~~~~